करवा चौथ 2020

करवाचौथ 2020 - Karvachauth 2020

करवा चौथ हन्दिुओं का एक प्रमुख त्योहार है। यह त्यौहार मुख्य भारत के पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरयिाणा, मध्य प्रदेश और राजस्थान का पर्व है। यह कार्तकि मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाता है। यह पर्व सुहागनि औरते मनाती हैं। करवा चौथ का व्रत भारतीय औरतों के द्वारा अपने पतकिी लम्बी आयु के लएि रखा जाता है। वही कुंवारी लड़कयिां करवा चौथ का व्रत एक अच्छे वर की तलाश में रखती है। जहां सुहागनि इस व्रत में चंद्रमा की पूजा करती है तो वहीं, कुंवारी लड़कयिां तारों को पूजती हैं। इस वर्ष 4 नवम्बर 2020 को करवा चौथ का पर्व मनाया जाएगा। इस त्यौहार मे सरगी और करवा (मटिटी के बर्तन) का होना जरुरी होता है इसमें नयिमो का भी पालन करना जरूरी होता है और सब कुछ नया पहनती है भगवान की पूजा भी करती है और बाद मे चाँद की पूजा करती है ।

करवा चौथ कब और क्यों मानते है - When and why do Karwa Chauth believe?

भारत मे यह बहुत खूबसूरत से मनाते है। यह त्योहार दशहरे और दविाली के बीच मे आता है। यह त्योहार कृष्ण पक्ष और पूर्णमिा के चौथा दनि मे होता है इस दनि सुहागन औरतें व्रत रखती है। करवा चौथ के दनि सुहागन औरतें सूर्ये उदय होने से पहले नहाकर और पूजा की जगह को साफ रखती है। उसके बाद जो उनकी सास सरगी(फल और स्पेशल डशि) देती है। उन्हें खाती है और सूर्ये उदय होने के बाद उनका व्रत शुरु हो जाता है। इस व्रत मे न ही फल खाते है,न ही पानी की एक बून्द भी नहीं पीते है। यह व्रत अपने पतकिे लम्बी उम्र के लएि और उनकी स्वस्थ के लएि करती है। इस दनि औरतें बहुत तैयार होती है। नए कपड़े ,मैचगि की चूड़ी और सगिार करती है। लेकनि पूजा के समय करवा और प्लेट भी तैयार करती है। उसके बाद शाम को पूजा मे शवि जी ,माता पार्वती जी और गणेश जी की पूजा होती है और कहानी भी होता है। पूजा समाप्त होने के बाद चाँद का इंतजार होता है। उस समय अपनी सास के लएि सगिार का सामान तैयार करती है। जब चाँद नकिल जाता है। तो चाँद की पूजा करने के बाद मे पतकिे हाथ से पानी पीती है और उनका व्रत पूरा होता है ।

करवा चौथ की पूजा करने की वधिि- Method of worshiping Karva Chauth?

करवाचौथ की कथा गेंहु व चावल के दाने हाथ पर लेकर सुननी चाहएि। मटि्टी के करवे में गेहूं ढक्कन में चीनी, उसके ऊपर वस्त्र दक्षणिा, सुहाग सामग्री रखकर सास या जेठानी को रात में चंद्रमा उदय होने पर छलनी की ओढ़ में चंद्रमा का दर्शन करके अघ्र्य देना चाहएि।

क्या है करवा चौथ की कहानी - What is the story of Karva Chauth?

कुछ सालो पहले एक साहूकार के 4 लड़के और 1 लड़की थी और उसका नाम करवा था। उसने अपने पति के लिए व्रत रखी थी और उसी रात को उसके भाइयो ने बोला की आजा खाना खाले। तो उसने बोला की आज मेरा व्रत है। तो मे जब चाँद निकिल जाएगा। तो मे उसकी पूजा करके खाना खा लूगी तो भाई ने भी इंतजार कर रहे थे। तो चाँद नहीं निकिल रहा था। तो भाइयो ने सोचा की एक काम करके आता हूँ। तो एक भाई ने पहाड़ पर जाकर चाँद की पूजा करने लगा तो दूसरे भाई ने बोला की चाँद निकिल गया है। तो उसने भी पूजा करके खाना खा ली और उसके बाद उसके पति की मरने की खबर आयी। तो उसने अपने पति को जलने के लिए नहीं भेजा और गांव से भर निकिल के एक कुटिया मे चली गयी और फिर से उसने करवा चौथ का व्रत किया और प्रार्थना की उसके बाद उसका जिंदगी वापिस आ गया।इस लिए करवा चौथ मानते है।

कब है करवा चौथ का मुहूर्त - When is Karva Chauth's Muhurta?

करवा चौथ का तारीक = 4 नवम्बर 2020
चतुर्थी तिथि का समय = सुबह 03:24 (4 नवम्बर)
चतुर्थी तिथि समाप्त होने का समय = सुबह 05:14 बजे (5 नवम्बर)
करवा चौथ के पूजा का समय = शाम 05:47 से 07:04 बजे तक
चाँद देखने का समय = रात 08:31 बजे

Aries Horoscope 2021 Video | Aries Rashiphal 2021 Video | Best Youtube Video Mesh Rashiphal 2021

India's Top Astrologers Online - Live Astrology Consultation
India's Famous Astrologers, Tarot Readers, Numerologists on a Single Platform. Call Us Now.

Call Certified Astrologers instantly on Dial199 - India's #1 Talk to Astrologer Platform. Expert Live Astrologers. 100% Genuine Results.

Read On Website